''सुख शीतल करूं संसार''

श्री प्राणनाथ वैश्विक आत्म–चेतना जागृति अभियान

Divine Truth. Divine Love. Eternal Bliss

ए नेक करी मैं इसारत, याको आगे होसी बड़ो विस्तार।
थोड़े से दिन में देखोगे, बरतसी जयजयकार।।

वर्तमान समय में विश्व भर में एक ही आवाज सुनायी दे रही है, शाश्वत सुख, शांति और प्रेम कैसे प्राप्त हो। यह प्रत्येक मानव के हृद्‌य में अद्वैत ज्ञान और प्रेम होने से ही सम्भव है।

नश्वर क्षर जगत एवं अखण्ड अक्षर जगत से परे सर्वश्रेष्ठ अक्षरातीत परमधाम का दर्शन, ज्ञान, प्रेम और अखण्ड आनन्द का वास्तविक स्वरूप श्री प्राणनाथ जी ने अपनी तारतम वाणी में समझाया है। श्री प्राणनाथ जी का वचन है ''सुख शीतल करूं संसार'' अर्थात् इस ब्रह्मज्ञान से समस्त मानव प्रेम सेवामयी जीवन जीने की दिव्य कला प्राप्त कर लेगा। तब सर्वत्र अखण्ड सुख शांति सम्भव होगी। लगभग पिछले 400 वर्षों से यह प्रक्रिया शुरू हो चूकी है। जो पिछले कुछ वर्षों से एक के बाद एक नये शिखर को छू रही है।

विश्व फलक पर आधूनिक प्रचार प्रसार माध्यम (टी.वी.,केबल) के द्वारा श्री प्राणनाथ जी का ज्ञान धर्मवीर जागनी रत्न पूज्य सरकारश्री जगदीश चंद्र जी से प्रेरित सुंदरसाथ जी के नेतृत्व में, समस्त प्रणामी समाज के प्रेम–सेवा–सहयोग से एवं श्री 5 पद्‌मावती पूरी धाम में विराजमान धनी की असीम मेहर से दो बार किया गया। सन् 2008 में 'सत्य दर्शन' टी. वी. सिरीयल एवं सन् 2012–13 में श्री प्राणनाथजी टी. वी. सिरीयल ने लगभग 5 करोड़ से ज्यादा जिज्ञासूजनों को छू लिया। एवं आत्म–जागृति में सहायक सिद्ध हुआ। जागनी लीला और भी कई गुना तेजी से आगे बढ़े यही धनी की इच्छा भी है। अतः 5 से 7 जनवरी 2014 के दरम्यान देश –विदेश के करीब 400 सुंदरसाथ एवं विद्वतजन जागनी का लक्ष्य लेकर पंचवर्षीय योजना तैयार करने हेतु श्री निजानंद आश्रम वडोदरा में एकत्रित हुये। इस त्रिदिवसीय विचार गोष्ठी में गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, सिक्किम, असम, म. प्र. , महाराष्ट्र एवं निजानंद फाउण्डेशन यू. एस. ए. एवं केनेडा के सेवादार सुंदरसाथ उपस्थित रहे। श्री के. सी. व्यास दिल्ली जैसे प्रबुद्ध विद्वान् जो कि प्रणामी समाज के नहीं हैं, वे प्राणनाथ जी की तारतम वाणी को विश्व फलक पर ले जाने के महान् उद्‌देश्य के लिये आगे आये। डां दिनेश पंडित, एक्स चैयरमेन, श्री प्राणनाथ जी मंदिर ट्रस्ट, पन्ना और रमण भाई निजनाम, वडोदरा ने भी अपना आशीर्वाद एवं पूर्ण सहयोग प्रगट किया। श्रीविंध्याचल जी महाराज, पन्ना, श्री विजय आहूजा, निजानंद आश्रम रतनपुरी, श्री चरण सिंह जी, दिल्ली, श्री अमृतराज जी निजानंदी, वडोदरा, श्री सुशांत जी महात्मा, श्री नरेंद्र भाई पटेल, यु. एस. ए. आदि ने भी अपने उत्साह भरे वचनों से सुंदरसाथ को प्रेरित किया। इनके अतिरिक्त श्री राजन स्वामी जी, सरसावा, एवं अन्य बहुत से धर्मप्रचारकों, सुंदरसाथ एवं संस्थाओं के प्रतिनिधि, जो यहां उपस्थित नहीं हो पाये थे,

उन्होंने इस महान लक्ष्य में पूर्ण सहयोग देने के लिये वचनबद्धता प्रकट की है। यहां उपस्थित प्रत्येक सुंदरसाथ ने भी अदम्य उत्साह और शक्ति का परिचय दिया, और तन–मन–धन से सेवा में समर्पित होने का संकल्प लिया।

इस गोष्ठी में बहुत सारे जागनी लक्षी विचारों एवं प्रयोगों पर प्रकाश डाला गया। इनमें से कुछ मुख्य इस प्रकार हैंः–

1. **श्री प्राणनाथ जी वैश्विक आत्म–चेतना जाग्रति अभियान** समाज के किसी एक स्थान या व्यक्ति विशेष से नहीं, बल्कि देश–विदेश की सभी संस्थाओं के सामूहिक सहयोग से, सम्पन्न होगा। वर्तमान में श्री निजानंद आश्रम, वडोदरा इसके कार्यालय के रूप में सेवा प्रदान करेगा।

2. समाज के सभी पूज्य स्थान एवं अग्रणियों को भी इस सेवा में सम्मिलित होने के लिये आमंत्रित किया जायेगा।

3. आने वाले 5 वर्षों के दरम्यान हम ऐसे संसाधन तैयार करें, जिससे सुंदरसाथ समाज एवं सम्पूर्ण विश्व समाज श्री प्राणनाथ जी के ब्रह्मज्ञान से लाभांवित हो सके। कुछ महत्वपूर्ण प्रायोजित लक्ष्य इस प्रकार हैं :–

1– वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक साहित्य का प्रकाशन करवाकर युनिवर्सिटीस एवं लाइब्रेरीस में उपलब्ध करवाया जाये।

2– धर्म प्रचार करने के इच्छूक सुंदरसाथ को आध्यात्मिक प्रशिक्षण देने की योजना एवं आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की स्थापना हो

3– सुंदरसाथ के लिये छूट्टियों के समय में 5 या 7 या 21 दिन के प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन हो

4– आम समाज में आत्म जाग्रति के कार्यक्रमों का आयोजन हो

5– घर घर जाकर श्री प्राणनाथ जी का दिव्य संदेश प्रसारित करना,

6– स्कूल–कालेजों में आयु अनुसार आध्यात्मिक मूल्यों के विकास हेतु सेमीनार का आयोजन करना

7– अस्पतालों, जेलों में जाकर शारीरिक एवं मानसिक सुख शांति हेतु प्रार्थना करना एवं साहित्य वितरण करना

8– देश के विभिन्न शहरों में ट्रैफिक सर्कलों का निर्माण करके श्री प्राणनाथ जी के संदेश देकर जन–जागृति का प्रयास किया जाये

9– आध्यात्मिक संगीत के वाणी आधारित निसबत, इश्क, ईमान, मेहेर, हुकुम, आदि विषयों पर सुप्रसिद्ध म्यूसिक हाऊस द्वारा ऑडियो एल्बम्स तैयार करके विश्व भर वितरण सुनिश्चित किया जाये।

10– श्री प्राणनाथ जी के संदेश पर आधारित नया आध्यात्मिक टी. वी. सिरीयल का निर्माण करके अग्रणी प्रमुख चैनलों पर प्रसारित करवाया जाये

11–वेबसाईट का अपडेशन किया जाये, जिसके जरिये आध्यात्मिक जिज्ञासू की जिज्ञासा का समाधान किया जा सके।

12– विविध वीडियो क्लिप्स एवं आडियो बुक्स तैयार करके यू ट्यूब आदि वेब साईट्स पर रखा जाये।

13– आध्यात्मिक ध्यान–चितवनि संबंधी एप्स (एप्लीकेशन्स) तैयार किया जाये।

14– गांव गांव, शहर शहर में जाकर आध्यात्मिक बोध देने वाली प्रसंगों के आधार पर नाटिका, भवाई आदि रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत करना।

15– महिला सुंदरसाथ प्रकोष्ठ का निर्माण करना, जो कि महिलाओं में जाकर आत्मिक चेतना को जागृत करेंगे।

16– विक्रम संवत् 2075 (ई. सन् 2018) में भारतवर्ष के मेट्रो एवं प्रमुख शहरों में बड़े स्तर पर शिविरों का आयोजन करना, हाईटेक प्रदर्शनी लगाना, और इसमें बड़े डिग्नेटी, सेलीब्रेटी, वी. आई. पी. को आमंत्रित करना

17– देश–विदेश में सुंदरसाथ एवं आम जनता को शामिल करने हेतु जागनी–यात्रा एवं प्रवास का आयोजन करना।

18– सुंदरसाथ विद्यार्थी निधी, बाल मंदिर, अनाथाश्रम एवं वृद्धाश्रम का निर्माण।

19– विविध चिकित्सा, व्यसन मुक्ति एवं आरोग्य–निदान शिविरों का आयोजन और समाज सेवा के कार्यक्रमों का आयोजन करना।

20– भारतवर्ष के हमारे प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्थानों का जीर्णोद्धार करवाना।

21 – प्राचीन हस्तलिखित अमूल्य साहित्यों का संरक्षण एवं प्रकाशन करना,

22– श्री 5 पद्मावती पूरी धाम पन्ना जी, में कई प्रकार के विकास कार्य में सेवा–सहयोग प्रदान करना।

इस महाअभियान को क्रियान्वित करने के लिये केंद्रीय, राज्यस्तरीय, जिला स्तरीय, ग्राम स्तरीय सेवादार एवं प्रचारक सुंदरसाथ की समितियों का गठन किया जा रहा है। इन समितियों के लिये समस्त सेवादार सुंदरसाथ सादर आमंत्रित हैं। इस पूरी योजना को शीघ्रातिशीघ्र क्रियान्वित करने के लिये केंद्रीय समिति के सदस्य प्रत्येक क्षेत्रों में भ्रमण करके समस्त सुंदरसाथ को प्रेरित करेंगे।

इस महान् लक्ष्य की प्राप्ति के लिये समस्त सुंदरसाथ का सहयोग वांछनीय है।

साथ जी शोभा देखिये, करे कुरबानी आतम।
वार डारों नख शिख लों, ऊपर धाम धनी खसम।।

सम्पर्क सूत्र

श्री निजानंद आश्रम, वडोदरा
ने. हा. नं. 8, बायपास,
ऐल. एण्ड टी. नोलेज सेंटर के पास,
पिन– 390019

रमणभाई पटेल– 09898000168
मनुभाई पटेल – 07874151371
डॉ. दिनेश पंडित – 09825098689
नरेंद्र पटेल, यू.एस.ए. – 0019737609238
अशोक पटेल यू.एस.ए – 0014788084079
अमृतराज निजानंदी 09825541904
डॉ विजय कुमार आहूजा 09811072951